

प्रेषक,

डा० हेमलता ढौंडियाल
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
उद्योग,
उद्योग निदेशालय उत्तराखण्ड,
देहरादून।

औद्योगिक विकास अनुभाग-2

देहरादून. दिनांक: 30 अगस्त, 2007

विषय: वित्तीय वर्ष 2007-08 हेतु केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनान्तर्गत वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 1427/उ०नि०/गणना/बजट/2007-08 दिनांक 27 जुलाई, 2007 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उद्योग विभाग के आयोजनागत पक्ष के 0101-लघु उद्योगों की गणना योजना (100% के०स०) के अन्तर्गत चालू कार्यों एवं अति आवश्यक वचनबद्ध मदों में व्यय किये जाने हेतु शासनादेश संख्या: 1518/VII-1/70-उद्योग/06 दिनांक 30 मार्च, 2007 द्वारा आपके निवर्तन पर रखी गयी धनराशि को सम्मिलित करते हुए संलग्न विवरणानुसार वित्तीय वर्ष 2007-2008 के लिए **रुपया 7,47,000/- (रुपये सात लाख सैंतालीस हजार मात्र)** की धनराशि को व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त धनराशि इस आशय से आपके निवर्तन पर रखी जा रही है, कि कृपया निदेशालय स्तर से बजट की धनराशि उद्योग निदेशालय के अधीन 01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजना के अन्तर्गत माँग के अनुसार उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे।

3- व्यय में मितव्ययता नितात आवश्यक है। इस सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/अन्य आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। व्यय मात्र उन्ही मदों में किया जाय, जिन मदों में धनराशि स्वीकृत की जा रही है। यह आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने में बजट मैनुअल/वित्तीय हस्तपुस्तिकाओं के नियमों का उल्लंघन होता हो। धनराशि व्यय के उपरान्त व्यय की गई धनराशि का मासिक व्यय विवरण निर्धारित प्रारूप पर नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराया जाये।

4- उक्त योजना पर धनराशि का व्यय करते समय भारत सरकार द्वारा योजनान्तर्गत समय-समय पर निर्गत समस्त दिशा-निर्देशों का अनुपालन किया जायेगा।

और निर्धारित समयावधि के अन्दर अवमुक्त की जा रही धनराशि का उपयोग करके भारत सरकार एवं राज्य सरकार को इसका उपयोगिता प्रमाण पत्र भी प्रस्तुत कर दिया जायेगा।

5- उक्त योजनान्तर्गत उत्तराखण्ड राज्य हेतु भारत सरकार से प्राप्त पदों की निरन्तरता की स्वीकृति के क्रम में तथा बजट स्वीकृति की प्रत्याशा में धनराशि इस आशय से स्वीकृत की जा रही है कि योजनान्तर्गत भारत सरकार से वित्तीय स्वीकृति प्राप्त होने पर इस धनराशि का समायोजन करा लिया जायेगा।

6- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के अनुदान संख्या-23 के मुख्य लेखाशीर्षक-2851-ग्रामोद्योग तथा लघु उद्योग, 00-आयोजनागत 102-लघु उद्योग, 01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजना 01-लघु उद्योगों की गणना योजना (100% के0सहा0) के अन्तर्गत संलग्न में उल्लिखित सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा।

भवदीय,

(डा० हेमलता ढौंडियाल)

अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 4229(1)/VII-2/70-उद्योग/2006, तद्दिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. निजी सचिव-मा० मुख्यमंत्री जी।
3. निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
4. समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
5. अपर सचिव, वित्त, उत्तराखण्ड शासन।
- ✓ 6. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
7. वित्त अनुभाग-2
8. गार्ड-फाईल।

आज्ञा से

(डा० हेमलता ढौंडियाल)

अपर सचिव।